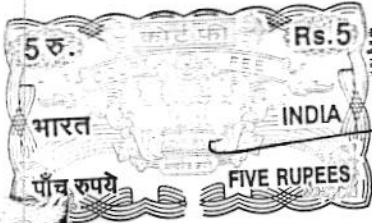


368



क
क

निगरानी 1201-I-15

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक 1201५ निगरानी

- १- शम्भूदयाल पुत्र हेदीलाल साहू,
- २- लौकनाथ पुत्र किसुनलाल धोबी,
- ३- वीरेन्द्र सिंह पुत्र मोतीलाल धोबी निवासी
समस्त- कस्बा नौगांव तेहसील नौगांव,
जिला छत्तरपुर (मध्यप्रदेश)

----- प्राधीगण

विराध्व

- १- वैलास पुत्र किसुनलाल धोबी निवासी कस्बा
नौगांव तेहसील व जिला छत्तरपुर (मध्यप्रदेश)
---अस्तित्व प्रतिप्राधी
- २- मध्यप्रदेश शासन,
- ३- विशाल जैन पुत्र अजीत कुमार जैन,
-निवासी कस्बा नौगांव, तेहसील नौगांव
जिला छत्तरपुर (मध्यप्रदेश) ।

-----तरतीवी प्रतिप्राधी०

निगरानी विराध्व आदेश राजस्व निरीक्षाक महोदय मण्डल

नौगांव तेहसील नौगांव जिला छत्तरपुर दिनांकी २०-०३-१५, अन्तर्गत

धारा ५० मध्यप्रदेश धू-राजस्व संहिता १९५६। प्र०क्र० १४। अ-१२। १३-१४

श्रीमान् जी,

निगरानी का प्राथमा पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है:-

- १- यह कि, विवादित आदेश कानूनन सही नहीं है ।
- २- यह कि, राजस्व निरीक्षाक महोदय ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है ।
- ३- यह कि, धू-राजस्व संहिता की धारा १२६ के प्रावधानों का वर्तमान प्रकरण में पालन नहीं किया गया है ।
- ४- यह कि, प्राधीगण की आपत्तियों पर न तो समचित विचार

दिनांक 26-5-15 को
श्री मन्ना के काबू की
कोपी द्वारा उतरी

26-5-15
SD

अज्ञान
26/5/15

3



न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक :- निगरानी-1201-एक/2015

जिला-छतरपुर

शम्भूदयाल साहू आदि विरुद्ध कैलाश आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों के हस्ताक्षर
28-02-2019	<ol style="list-style-type: none">1. प्रकरण प्रस्तुत ।2. आवेदक की ओर से श्री कृष्णदत्त दीक्षित अभिभाषक उपस्थित ।3. यह निगरानी राजस्व निरीक्षक मण्डल नौगांव, तहसील नौगांव, जिला-छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 14/अ-12/2013-14 में पारित सीमांकन आदेश दिनांक 20-03-2015 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है ।4. म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 129 में किये गये संशोधन वर्ष 2018 के अनुसार सीमांकन आदेश के विरुद्ध आपत्ति सुनवाई अधिकार अनुविभागीय अधिकारी को दिये गये है ।5. अतः प्रकरण सक्षम न्यायालय में सुनवाई हेतु अनुविभागीय अधिकारी को प्रत्यायोजित किया जाता है । उभय पक्ष दिनांक 18-04-2019 को अनुविभागीय अधिकारी के यहां उपस्थित हो । अधीनस्थ न्यायालय को अभिलेख भेजा जाये ।	<p>(आर.के. जैन) सदस्य 22/02/19</p>